सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवेश-१

रविवार, २ मार्च, २००८ **समय : सुबह ९.०० से ११.१५** **कुल गुणांक : ७५**

वर्गखंड में उपस्थित परीक्षार्थी स्वयं ही अपना विवरणयुक्त स्टीकर लगाएँ । **बिना स्टीकर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं रहेगी ।**

स्वामिनारायण
BAPS

इस कोष्टक में
प्रवेश-१ (हिन्दी)
का स्टीकर लगाएँ ।

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर स्टीकर **लगाने का नहीं है ।**

☞ **परीक्षार्थी के विवरणयुक्त स्टीकर पर बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी की उम्र .....

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी द्वारा लगाएँ गए स्टीकर तथा उपरोक्त विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (५)	
विभाग-१, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (५)	
	११ (५)	
विभाग-२, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१२ (१०)	
विभाग-३, कुल गुण		

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેકર - નામ

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१	

प्रवेश-१

विभाग - १ : नीलकंठ चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''यह बाल ब्रह्मचारी सहजानंद स्वामी ही धर्मधुरा के योग्य हैं ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''उसमें तो जीव है । मैं उसे नहीं तोडूँगा ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''प्रगट प्रभु कहाँ मिलेंगे ? कब मिलेंगे ? मोक्ष कैसे प्राप्त होगा ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. जमादार आश्चर्यमुग्ध अवस्था में सिर खुजलाता हुआ चला गया ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. नीलकंठ ने कठारी तोड़ दी ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-२		प्र-३	

३. नीलकंठवर्णी ने श्रीपुर के मठ का महंत पद ठुकरा दिया ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २	

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ३ निम्नलिखित प्रसंगों में से किसी <u>एक</u> प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए ।
(विवरण आवश्यक नहीं है।) (कुल गुण : ५)

१. स्त्री-पुरुषों की सभा अलग-अलग की । २. शिव-पार्वती ने दर्शन किया । ३. नीलकंठ वंशीपुर में ।

प्रसंग :

१. .....

.....

२. .....

.....

३. .....

.....

४. .....

.....

५. .....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. नीलकंठ संवत् १८५६ में कब लोज़ पधारे ?

गुण : १	

.....

.....

२. नीलकंठवर्णी को दीक्षा देकर उनके कौन से दो नाम घोषित किये गए ?

गुण : १	

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-४		प्र-५		प्र-६	

३. हरिद्वार और बदरीनाथ में नीलकंठवर्णी का कौन से राजा के साथ योग हुआ ? गुण : १

.....

.....

४. रामजी मन्दिर के साधुओं को नीलकंठवर्णी ने कया उपदेश दिया ? गुण : १

.....

.....

५. कुकड गाँव के दरबार भगवानसिंहजी को नीलकंठवर्णी ने अपनी क्या पहचान दी ? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ५ निम्नलिखित वाक्यों में से सही और गलत वाक्य बताकर गलत वाक्यों को सुधारकर फिर से लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. रामानंद स्वामी ने कुरजी दवे को कहा, लोज जाकर नीलकंठ से कहना कि यदि सत्संग में रहना हो, तो खंभा पकड़कर रहना पड़ेगा । गुण : १

.....

२. घनश्याम के परम मित्र वेणीराम ने घनश्याम का ध्यान करके देह का त्याग किया । गुण : १

.....

३. नीलकंठवर्णी ने सिर्फ ९ महीने में गोपालयोगी से अष्टांग योग सिध्ध किया । गुण : १

.....

४. नीलकंठवर्णी मढ़डा के नरसिंह मेहता के निष्कामी आचरण से प्रसन्न हो गए । गुण : १

.....

५. नीलकंठवर्णी जगन्नाथपुरी में गरुड़स्तंभ के नीचे बैठकर ध्यान करते थे और मन्दिर में भगवद्गीता की कथा सुनते थे । गुण : १

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ६ निम्नलिखित विधानों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । (कुल गुण : ५)

१. नीलकंठ ..... फुट की उँचाई पर स्थित तीर्थधाम मुक्तनाथ पहुँच गए । गुण : १

२. ..... शहर में नीलकंठ ने अपनी वाणी को शाप दिया । गुण : १

३. बड़ौदा में ..... नामक व्यापारी ने नीलकंठ को भोजन करवाया । गुण : १

४. लोज में नीलकंठवर्णी को ..... की नम्रता और विवेक बड़े अच्छे लगे । गुण : १

५. सरजूदास लोज में भिक्षा के लिए घुमते थे, तब '.....' का उद्घोष करते रहेते थे । गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-७	

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - १

प्र. ७ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''तुम्हारे घर की देहली के पास कुमकुम के पाँच चरणचिह्न दिखाई दें तो मेरी बात सच मानना ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''धन के द्वारा की गई सेवाभक्ति की अपेक्षा तन द्वारा की गई सेवाभक्ति को मैं अधिक मानता हूँ ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''अरे! आप लोग तो कल दोपहर से यहाँ बैठे हुए हैं ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ८ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. नमक की डली समुद्र के पानी की थाह लेने गई और पानी में ही समा गई ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. आशाभाई ने साधु धर्मनन्दनदास के पास पंच व्रत पालन की दीक्षा ली ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-८		प्र-९	

३. श्रीजीमहाराज ने पंचाला में बीमारी समेट ली ।

....

....

....

....

.... गुण : २ [ ]

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ९ निम्नलिखित वाक्यों में से विषय के अनुरूप केवल पाँच सही वाक्य ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके क्रमांक लिखें । (कुल गुण : ५)

विषय : भक्तराज जीवुबा

१. जीवुबा की शादी खांभडा के हाथिया पटगर के साथ हुई थी । **२.** वे निरावरण दृष्टि से श्रीजीमहाराज के अखण्ड दर्शन किया करती थीं । **३.** सास राईबाई से कहा, ''मुझे मीरा जैसी भक्त बनना है ''। **४.** वे पति का अनुमतिपत्र लेकर वरताल आई । **५.** लाडु बारोट को सांख्यधर्म समझाकर शरीर को 'नर्क की थैली' बताया । **६.** बापू ! वही गोपीनाथदेव ही हमारे भगवान । **७.** सब उन्हें मोटी बा, पूनमती बा या जया के नाम से पहचानते थे । **८.** निवेदित किया हुआ दूध भगवान पी गए । **९.** एभल खाचर की संतान जीती न थीं । इसलिए उनका नाम 'जीवुबा' रखा था । **१०.** उन्हों ने बिमार आत्मानंद स्वामी की सेवा के लिए अपना रथ भेज दिया ।

केवल क्रमांक - [ ] [ ] [ ] [ ] [ ]

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. तालाब के किनारे पर बैठे हुए महायोगी को देखकर जोबनपगी को क्या विचार आया ? गुण : १ [ ]

....

....

२. श्रीजीमहाराज किसको अपने 'हाथ पैर' मानते थे ? गुण : १ [ ]

....

....

३. कौन-सा भक्ति पद निर्गुण स्वामी ज्यादा बोलते थे ? गुण : १ [ ]

....

....

४. भगतजी महाराज ने जेठा भगत को क्या वर दिया ? गुण : १ [ ]

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१०		प्र-११	

५. मोटा स्वामी ने कितने वर्ष की वय में भागवती दीक्षा ली ? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.११ विभाग 'ब' में से योग्य विकल्प के क्रमांक को पसंद करके विभाग 'अ' के सामने दिए गए कोष्ठक में (केवल जवाब का क्रमांक) लिखकर जोड़ बनाइए । (कुल गुण : ५)

विभाग अ		विभाग ब	
१. ब्रह्मानंद स्वामी		१. काली मिर्च की कटोरी	गुण : १
२. देवानंद स्वामी		२. रणछोडराय के दर्शन	गुण : १
३. शुकानंद स्वामी		३. गुलाब की माला	गुण : १
४. झीणाभाई		४. सुखड़ी का दातुन	गुण : १
५. स्वामी यज्ञप्रियदास		५. चाबखा	गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१२ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ३० वाक्यों में निबंध लिखिए । (कुल गुण : १०)

१. अक्षरपुरुषोतम उपासना के प्रवर्तन हेतु शास्त्रीजी महाराज ने सहन की हुई मुसीबतें और किया हुआ पुरुषार्थ ।
२. मन्दिर परंपरा के पोषक : प्रमुखस्वामी महाराज ।
३. विश्व का अजूबा सम दिल्ली अक्षरधाम ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....